

ऊपरी भाग की दूरी संवृत स्वर की तुलना में अधिक होती है उदा. 'ए', 'ओ' पर्या. ईषत संवृत half close दे. संवृत तु. 'अर्धविवृत'

**अर्धसम वि.** (तत्.) 1. आधे के समान (बराबर)  
2. लगभग पचास प्रतिशत समानता वाला।

**अर्ध-सरकारी पत्र पुं.** (तत्.) दे. अर्धशासकीय पत्र।

**अर्धसाप्ताहिक (पत्रिका/पत्र) पुं.** (तत्.) एक सप्ताह में दो बार प्रकाशित होने वाला समाचार-पत्र या पत्रिका। by-weekly

**अर्धसूत्रण पुं.** (तत्.) कोशिका-विभाजन का एक प्रकार जिसमें एक कोशिका से उत्पन्न दो कोशिकाओं में गुणसूत्र आधे रह जाते हैं। युग्मक (अंड कोशिका, शुक्राणु) इसी प्रक्रिया से बनते हैं तु. समसूत्रण।

**अर्धसैनिक बल पुं.** (तत्.) प्रशा. देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सेना से इतर सशस्त्र बल, उदा. सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल। para military force

**अर्धस्वर पुं.** (तत्.) व्यंजन स्वरों का एक भेद, जिनके उच्चारण में मुख-विवर स्वर की तरह खुलता है लेकिन स्वर की अपेक्षा कम खुलता है। यह उच्चारण में व्यंजन की तरह होते हुए भी आक्षरिक नहीं है, उदा. य, व semi vowel

**अर्धस्वायत्त वि.** (तत्.) जो पूरी तरह स्वाधीन न हो।

**अर्धह्रस्व वि.** (तत्.) व्या. लघुस्वरवर्ण के आधे उच्चारण वाला (वर्ण)।

**अर्धांग पुं.** (तत्.) 1. आधा अंग, आधी देह 2. पक्षाघात रोग, लकवा 3. शिव।

**अर्धांगिनी स्त्री.** (तत्.) पत्नी, सहधर्मिणी।

**अर्धांगी पुं.** (तत्.) 1. शिव 2. पक्षाघात का रोगी, वह जिसे लकवा मार गया हो वि. अर्धांग रोगग्रस्त।

**अर्धांश पुं.** (तत्.) आधा अंश, आधा भाग।

**अर्धांशी वि.** (तत्.) आधे भाग का अधिकारी, आधे भाग का हकदार।

**अर्धायु स्त्री.** (तत्.) दे. अर्ध आयु।

**अर्धांली स्त्री.** (तत्.) आधी चौपाई, वह चौपाई जिसमें चार चरणों की अपेक्षा दो ही चरण हों, चतुष्पदी की अपेक्षा द्विपदी।

**अर्धासन पुं.** (तत्.) आसन का आधा अंश, आधा स्थान, समान स्थान।

**अर्धीकरण पुं.** (तत्.) आधा करने की क्रिया, समविभाजन।

**अर्धेदु पुं.** (तत्.) आधा चाँद, अर्ध चंद्र।

**अर्धोदय पुं.** (तत्.) 1. ज्यो. एक विशेष पर्व जिसमें स्नान करने से सूर्यग्रहण स्नान का फल मिलता है 2. श्रवण नक्षत्र से युक्त माघ मास की अमावस्या, रविवार एवं व्यतीपात योग के साथ।

**अर्पण पुं.** (तत्.) अपनी वस्तु किसी को समर्पित करने या देने की क्रिया या भाव, भेंट, नजर।

**अर्पण संधि पुं.** (तत्.) दे. अभ्यर्पण संधि।

**अर्पित वि.** (तत्.) अर्पण किया हुआ, भेंट किया हुआ, समर्पित, प्रदत्त।

**अर्बुद पुं.** (तत्.) आयु. 1. हड्डी के अधिक बढ़ जाने के कारण दिखाई पड़ने वाला उमर 2. शरीर में गाँठ बन जाने का रोग, गुल्म 3. सूजन, शोथ, गुमड़ा, रसौली, फोड़ा tumour 4. गणि. दस करोड़ की संख्या, अरब, अर्व।

**अर्बुदविज्ञान पुं.** (तत्.) कोशिकाविज्ञान की वह शाखा जिसमें अपसामान्य कोशिकाओं या उत्तकों की वृद्धि अर्थात् अर्बुदों (गाँठों) का अध्ययन किया जाता है पर्या. अर्बुदिकी।

**अर्बुदि पुं.** (तत्.) 1. सर्वव्यापी ईश्वर 2. अर्बुद नामक एक (नाग) राक्षस।

**अर्बुदिकी स्त्री.** (तत्.) दे. अर्बुदविज्ञान।

**अर्बुदी वि.** (तत्.) अर्बुद-रोगग्रस्त।